खबर संक्षेप

3 शातिर चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

शहडोल। जिले में सक्रिय चोर गिरोह और नकबजनों के खिलाफ सोहागपुर पुलिस ने बड़ी और असरदार कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देशों के बाद मुस्तैद हुई सोहागपुर पुलिस टीम ने अलग-अलग इलाकों में हुई चोरी की तीन बड़ी वारदातों की गुत्थी सुलझा ली है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तीन शातिर आरोपियों को दबोचकर उनके पास से कॉपर पाइप, लैपटॉप, चोरी किए गए भारी-भरकम तार और वारदात में इस्तेमाल की गई एक बोलेरो गाड़ी बरामद की है।पहली वारदात शासकीय मेडिकल कॉलेज परिसर की है, जहां चोरों ने एयर कंडीशनर की कॉपर पाइप काटकर सनसनी फैला दी थी। अस्पताल जैसी संवेदनशील जगह पर हुई इस चोरी को पुलिस ने चुनौती की तरह लिया। तकनीकी सुरागों और मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी अजीत प्रजापति को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से कटी हुई कॉपर पाइप बरामद की गई है।दूसरी घटना सोहागपुर के गढ़ी कचहरी मोहल्ले की है। यहां रहने वाले अतुल आनंद ब्रह्मचारी के सूने मकान का ताला तोड़कर चोरों ने एक कीमती लैपटॉप पार कर दिया था। मामला दर्ज होते ही पुलिस हरकत में आई। साइबर और मनोवैज्ञानिक पूछताछ के जाल में उलझकर आरोपी ओम द्विवेदी टूट गया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी हुआ लैपटॉप शत-प्रतिशत बरामद कर लिया।तीसरी वारदात रिलायंस कंपनी के यार्ड में हुई, जहां से कीमती तार चोरी किए गए थे। पुलिस ने संभागीय मुख्यालय और आसपास के इलाकों में सक्रिय चोर गिरोहों पर नकेल कसने के लिए सोहागपुर पुलिस ने सर्जिकल स्ट्राइक की है। पुलिस कप्तान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के कड़े रुख के बाद एक्शन में आई सोहागपुर पुलिस ने बैक-टू-बैक कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग चोरी के मामलों का पटाक्षेप किया है। मामले में तीन शातिर चोरों को सलाखों के पीछे भेजते हुए पुलिस ने कॉपर पाइप, लैपटॉप और चोरी के तार समेत वारदात में प्रयुक्त बोलेरो वाहन भी जब्त कर लिया है।सोहागपुर पुलिस ने तीनों अलग-अलग मामलों के आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया, जहां से अदालत के आदेश पर तीनों को जिला जेल शहडोल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में सोहागपुर थाना प्रभारी, उप निरीक्षक आशीष झरिया, विवेचक प्रधान आरक्षक प्रशांत कुमार सोनी के साथ आरक्षक निखिल श्रीवास्तव एवं शैलेंद्र कोल का विशेष और सराहनीय योगदान रहा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शहर में अमन-चैन और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों और चोरों पर यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

सेवा सेतु अभियान का आयोजन



शहडोल। सेवा सेतु अभियान के तहत नगर पालिका धनपुरी एवं नगर परिषद ब्यौहारी में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शासकीय सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई । अभियान के दौरान विभिन्न विभागों एवं संबंधित अमले द्वारा नागरिकों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की गई। ब्यौहारी एवं धनपुरी में आयोजित सेवा सेतु अभियान के दौरान आमजन को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन एवं पात्रता संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। अभियान का उद्देश्य नागरिकों को शासकीय सेवाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना तथा योजनाओं का लाभ सरल एवं सुगम तरीके से उपलब्ध कराना है।

बाघों का कॉरिडोर और घुनघुटी-गिठौरा में बजरंग परियोजना पर उठे सवाल कागजों में 1,753 पेड़ों की कटाई और 149.68 हेक्टेयर वन भूमि का डायवर्जन

बांधवगढ़ में बढ़ती बाघ संख्या के बीच वन्यजीव कॉरिडोर पर बढ़ सकता है दबाव

शहडोल। संभागीय मुख्यालय से सटे उमरिया के पाली क्षेत्र में घुनघुटी-गिठौरा के ग्रामीणों का जमीन और शासकीय तालाब को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण के बड़े सवाल में बदल गया है। सरकारी दस्तावेजों में 554.0843 हेक्टेयर की पथौरा पश्चिम कोयला परियोजना, 149.6878 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन और 1,753 पेड़ों की कटाई का प्रस्ताव दर्ज है। ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना से खेत, तालाब, जंगल और गांवों की रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो सकती है।



परियोजना का प्रस्ताव

भारत सरकार की वन सलाहकार समिति के रिकॉर्ड के अनुसार पथौरा पश्चिम कोयला ब्लॉक का मूल क्षेत्रफल 640.520 हेक्टेयर है, जबकि प्रस्तावित माइनिंग लीज क्षेत्र 554.0843 हेक्टेयर है। परियोजना में भूमिगत यंत्रीकृत खनन के जरिए सालाना 0.80 मिलियन टन उत्पादन और 1.20 एमटीपीए की अधिकतम क्षमता प्रस्तावित है। यह परियोजना घुनघुटी, गिठौरा और पतनारकला गांवों में प्रस्तावित है।

वन भूमि और पेड़ों पर असर

रिकॉर्ड में 140.8988 हेक्टेयर आरक्षित वन और 8.789 हेक्टेयर राजस्व वन सहित कुल 149.6878 हेक्टेयर वन भूमि के डायवर्जन का प्रस्ताव है। इसी दस्तावेज में करीब 1,753 पेड़ों की कटाई का उल्लेख है। इनमें साल, महुआ, आम, जामुन, तेंदू, पलाश, अर्जुन, बरगद, बेल और सागौन जैसी प्रजातियां शामिल हैं।

ग्रामीणों का धरना

बिरसिंहपुर पाली में आदिवासी ग्रामीण पाली थाना परिसर के बाहर धरने पर बैठे हैं। वे जमीन और शासकीय तालाब से जुड़े मामलों में कार्रवाई तथा एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 57.57 एकड़ जमीन और तालाब को लेकर विवाद के बावजूद मौके पर गतिविधियां बढ़ाई जा रही हैं। हालांकि तालाब में मशीनें पहुंचने और उसे खनन क्षेत्र में शामिल किए जाने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध सरकारी रिकॉर्ड से नहीं हुई है।

वन्यजीव कॉरिडोर की चिंता

घुनघुटी क्षेत्र बांधवगढ़-अचानकमार वन्यजीव कॉरिडोर से जुड़ा माना जाता है। उपलब्ध दस्तावेजों में घुनघुटी कॉरिडोर की दूरी करीब 0.5 किलोमीटर और बड़े कॉरिडोर की दूरी करीब 7.1 किलोमीटर बताई गई है। वहीं 2024 की पर्यावरणीय मंजूरी प्रक्रिया में परियोजना को किसी अधिसूचित पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्र, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य या टाइगर रिजर्व के 10 किलोमीटर दायरे में नहीं बताया गया था। इन दोनों तथ्यों के बीच का अंतर परियोजना की पर्यावरणीय जांच को महत्वपूर्ण बनाता है।

बांधवगढ़ में बढ़े बाघ

बांधवगढ़ में बाघों की संख्या लगातार बढ़ी है। 2006 में 47, 2010 में 59 और 2014 में 63 बाघ दर्ज किए गए थे। 2018 में यह संख्या 104 और 2022 में रिजर्व का उपयोग करने वाले बाघों की संख्या 165 तक बताई गई। ऐसे में घुनघुटी जैसे वन क्षेत्रों में खनन, सड़क, भारी वाहनों, शोर और रोशनी का असर वन्यजीवों की आवाजाही पर पड़ सकता है।

समेकित आकलन जरूरी

पथोरा पश्चिम कोयला ब्लॉक के साथ आसपास की अन्य कोयला परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे का संयुक्त प्रभाव भी देखा जाना चाहिए। सवाल केवल 554 हेक्टेयर जमीन का नहीं, बल्कि जंगल, जलस्रोत, ग्रामीण जीवन और वन्यजीव कॉरिडोर के भविष्य का है। परियोजना को मंजूरी देने से पहले पूरे बांधवगढ़-अचानकमार परिदृश्य का समेकित पर्यावरणीय आकलन जरूरी है।



सेवा सेतु अभियान के तहत हितग्राहियों को मिला योजना का लाभ

जयसिंहनगर। नगर परिषद जयसिंहनगर के तत्वावधान में सेवा सेतु अभियान—सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर पुष्पांजलि एवं पूजन-अर्चन के साथ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चक्रधारी शुक्ला ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री कच्छेर, भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य अरुण गौतम, राजेश द्विवेदी एवं रामनारायण पांडेय, आदेश शुक्ला (राजा) तहसीलदार जयसिंहनगर राजकुमार कोल तथा पार्षद रानियां बाई ,कैलाश बैगा दीपक बैगा गुडिया अहिरवार उपस्थित रहीं।मंचासीन अतिथियों द्वारा हितग्राहियों को संबल योजना के तहत 2 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। साथ ही आपसी बंटवारे से संबंधित प्रकरणों में तहसीलदार द्वारा आवश्यक दस्तावेज एवं प्रक्रिया संबंधी कार्यवाही की गई। इस अवसर पर फूड इंस्पेक्टर सुनील सेन, बीआरसी समन्वयक आर.एन. विश्वकर्मा, नगर परिषद के कर्मचारी चंद्रप्रताप कुशवाहा, सुनीता बैगा, ऋषिशुक्लाअंकित द्विवेदी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती विद्या पांडेय द्वारा किया गया।

पेवल ब्लॉक उखड़े, सड़क किनारे बिखरे, छह माह से स्ट्रीट लाइट बंद अमृत-2.0 की पाइप लाइन के नाम पर लाखों के विकास कार्य की दुर्दशा







नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

अमलाई। नगर परिषद बरगवां-अमलाई की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। अमलाई से बरगवां मंदिर तक सडक़ के दोनों किनारों को व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के लिए बीते वर्ष लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए पेवल ब्लॉक अब बदहाल स्थिति में पड़े हैं। करीब छह माह पहले अमृत-2.0 योजना की पाइपलाइन बिछाने के लिए पेवल ब्लॉक उखाड़ दिए गए, लेकिन पाइपलाइन का काम होने के बाद इन्हें व्यवस्थित तरीके से दोबारा लगाने की जहमत जिम्मेदारों ने नहीं उठाई। मौके की तस्वीरें नगर परिषद के विकास कार्यों की जमीनी हकीकत को बयां कर रही हैं। कहीं पेवल ब्लॉक टूटे पड़े हैं, तो कहीं सडक़ किनारे मिट्टी और झाड़ियों के बीच दबे हुए हैं। कई स्थानों पर सडक़ और किनारे के बीच बना रास्ता पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। बारिश के दौरान स्थिति और खराब होने से राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्ट्रीट लाइट की केबल काटी, छह माह से अंधेरा

सबसे गंभीर मामला सडक़ किनारे लगी स्ट्रीट लाइट का है। पाइपलाइन का काम करते समय स्ट्रीट लाइट की केबल भी काट दी गई, जिसके बाद बताया जा रहा है कि छह माह से अधिक समय से इस मार्ग पर रात के समय अंधेरा छाया हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार अंधेरे के कारण रात में आने-जाने वालों को परेशानी होती है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस संबंध में नगर परिषद के जिम्मेदारों को कई बार शिकायत और मौखिक सूचना दी गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। सवाल यह है कि यदि विकास कार्य के दौरान पुराना निर्माण हटाया जाता है तो उसकी मरम्मत और पुनरुस्थापना की जिम्मेदारी किसकी है?

नए कामों पर जोर, पुराने कामों की सुध कौन लेगा?

नगर परिषद के अध्यक्ष और जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का आरोप है कि परिषद में नए कार्यों और उनके निर्माण पर तो ध्यान दिया जाता है, लेकिन पहले से किए गए कार्यों के रखरखाव और जनता को मिलने वाली सुविधाओं की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। लाखों रुपये से लगाए गए पेवल ब्लॉक मिट्टी में मिल जाएं, स्ट्रीट लाइट महीनों बंद रहे और शिकायतों के बाद भी सुधार न हो—तो आखिर विकास कार्यों की जवाबदेही किसकी है? नागरिकों की मांग है कि नगर परिषद तत्काल पेवल ब्लॉक व्यवस्थित कराए, स्ट्रीट लाइट की केबल दुरुस्त कर रोशनी बहाल करे और इस पूरे मामले में खर्च हुए सरकारी धन की उपयोगिता एवं जिम्मेदारी तय करे।

बस स्टैंड पर एमबीबीएस विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक से दिया नशामुक्ति का संदेश

बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति किया जागरूक

शहडोल। नशामुक्ति एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय शहडोल के एमबीबीएस विद्यार्थियों द्वारा शहडोल बस स्टैंड परिसर में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशे से दूर रहने का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके परिवार और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। विद्यार्थियों ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।



आमजन ने देखा नुक्कड़ नाटक

बस स्टैंड परिसर में आयोजित नुक्कड़ नाटक को यात्रियों एवं आम नागरिकों ने रुचि के साथ देखा। विद्यार्थियों ने संवाद, अभिनय एवं संदेशों के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर लोगों को नशे के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसान के प्रति जागरूक करते हुए नशे की आदत से बचने तथा अन्य लोगों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। बिरसा मुंडा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के एमबीबीएस विद्यार्थियों की यह पहल नशामुक्ति के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने तथा स्वस्थ समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास रही।

सेवा संकल्प एवं जन विश्वास अभियान के तहत जिला अस्पताल का निरीक्षण

क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ने स्वच्छता गतिविधियों में लिया भाग, स्वच्छता मित्रों को किया सम्मानित



शहडोल। सेवा संकल्प अभियान एवं जन विश्वास अभियान के तहत क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. जी.एस. परिहार ने जिला अस्पताल शहडोल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा स्वच्छता गतिविधियों में सहभागिता करते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। निरीक्षण के दौरान डॉ. जी.एस. परिहार ने अस्पताल परिसर में संचालित स्वच्छता गतिविधियों का अवलोकन किया और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित अस्पताल बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण आधार है। अस्पताल परिसर में स्वच्छता बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

स्वच्छता मित्रों का किया सम्मान- इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. जी.एस. परिहार ने स्वच्छता कार्य में योगदान देने वाले स्वच्छता मित्रों को सम्मानित किया। उन्होंने स्वच्छता मित्रों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल परिसर को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने में स्वच्छता मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सेवा संकल्प एवं जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित इस गतिविधि का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाने के साथ स्वास्थ्य संस्थानों में स्वच्छ एवं बेहतर वातावरण सुनिश्चित करना है।





सीईओ एवं पुलिस अधीक्षक ने गौशाला का किया निरीक्षण

शहडोल। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति एवं पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने जनपद पंचायत ब्यौहारी के ग्राम बोडिड्या में संचालित गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने गौशाला संचालक से चारागाह हेतु आरक्षित भूमि, गौकाष्ठ, जैविक खाद, पानी की उपलब्धता, गौशाला में गौवंषो की संख्या सहित अन्य जानकारी प्राप्त की। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि गौषाला में बायोगैस बनाया जाए एवं गोबर से अगरबत्ती बनाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि गौषाला में रेन वाटर हार्वेस्टिंग भी लगवाएं। गौशाला संचालक ने सीईओ जिला पंचायत को अवगत कराया कि गोबर से कंडे बनाने का कार्य किया जा रहा है एवं रिक्त पड़ी भूमि पर जैविक खाद का उपयोग कर खेती की जा रही है, लगभग सलाना 30 से 35 हजार रूपये की आय अर्जित हो जाती है। सीईओ जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक ने गौशाला के बेहतर संचालन एवं वहां की व्यवस्थाओ की सराहना भी की। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, तहसीलदार गलेक्सी नागपुरे, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

विधायक ने स्वास्थ्य मित्रों की पहल की सराहना करते हुए जनसेवा की भावना से किया संवाद

जिला अस्पताल में सेवा संकल्प स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

शहडोल। जनसेवा एवं जनकल्याण की भावना को केंद्र में रखते हुए सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला अस्पताल शहडोल में स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर में जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह शामिल हुईं और स्वास्थ्य मित्रों एवं उपस्थित लोगों से संवाद किया। शिविर का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। इसके माध्यम से लोगों को समय पर स्वास्थ्य सेवाओं से जोडऩे तथा जनसेवा एवं जनकल्याण की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।



स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना महत्वपूर्ण

शिविर के शुभारंभ अवसर पर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि आमजन तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना समाज और प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर लोगों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं से जोडऩे में उपयोगी साबित होते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य मित्रों एवं स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सिल्लू रजक, जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. शिल्पी सराफ, पूजा सोनी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे। शिविर के सफल आयोजन में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

जनसेवा एवं जनकल्याण को समर्पित पहल

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से आमजन को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं परामर्शित करने का भी प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार के शिविर विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी हैं, जिन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होती है। जनसेवा, संकल्प और जनकल्याण की भावना के साथ आयोजित यह स्वास्थ्य शिविर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में सकारात्मक पहल है।

खबर संक्षेप

हनुमान मंदिर में गूंजे रामायण के पाठ, भंडारे में उमड़े श्रद्धालु



कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक तीन स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में स्थानीय रामायण मंडली के सहयोग से आयोजित अखंड रामायण मानस पाठ का रविवार को हवन, पूजन और पूर्णाहुति के साथ सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा मंदिर परिसर व आसपास का वातावरण भक्तिमय हो गया। अखंड पाठ के समापन अवसर पर रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान जी की विशेष आरती और पूजन के साथ हुई। इसके पश्चात भंडारे का शुभारंभ हुआ, जिसमें वार्डवासियों समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों व दूर-दराज से पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लंबी कतारों में लगकर प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन को संपन्न कराने में रामायण मंडली के सदस्यों, स्थानीय युवाओं और मंदिर समिति का विशेष योगदान रहा। आयोजन से नगर में धर्म, उमंग और आपसी सौहार्द का एक अनूठा वातावरण देखने को मिला।

एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ पर्वराज पर्यूषण



कोतमा। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की शिष्या एवं आचार्य गुरुवर 108 समयसागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से आर्यिका 105 अनंतमति माता जी ससंघ के पावन सान्निध्य में कोतमा नगर में आयोजित दस लक्षण पर्व पर्वराज पर्यूषण भक्ति, आस्था और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। पर्व के दौरान जैन धर्मावलंबियों ने आत्मशुद्धि के दस धर्मोंकृउत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रह्मचर्यकृका विधि-विधान से पालन किया। पर्यूषण पर्व के समापन अवसर पर आर्यिका अनंतमति माता जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर एवं श्री 1008 महावीर दिगम्बर जैन मंदिर समितियों द्वारा संयुक्त रूप से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कई वर्षों से दोनों समितियों की शोभायात्राएं अलग-अलग निकलती रही थीं, लेकिन इस बार पूज्य माता जी की प्रेरणा से आपसी मतभेद और दूरियों को समाप्त करते हुए दोनों मंदिर समितियों ने एक साथ शोभायात्रा निकालने का निर्णय लिया। यह पहल समाज में एकता और आपसी सौहार्द का अद्भुत संदेश देने वाली रही। संयुक्त शोभायात्रा की भव्यता देखते ही बन रही थी जिसमें बिजुरी, जैतहरी, बुढार, मनेंद्रगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु कोतमा पहुंचे। बच्चों, महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने नंगे पैर चलकर अपनी आस्था और भक्ति का परिचय दिया। भगवान के सुमधुर भजनों की धुन पर श्रद्धालु झूमते-गाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं द्वारा अपने-अपने घरों के द्वार पर आकर्षक रंगोलियां सजाई गईं थीं। जगह-जगह श्रीजी की आरती उतारकर आशीर्वाद लिया गया।

सेवा पखवाड़ा एवं स्वच्छता अभियान



उमरिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गत 2 अक्टूबर को माय भारत केंद्र (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा जिले भर में सेवा पखवाड़ा एवं स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर शहर के गांधी चौक में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माय भारत स्वयंसेवकों द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वयंसेवकों ने महात्मा गांधी के स्वच्छता एवं सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत धनवाही एवं ग्राम पंचायत भरौला में भी सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव, स्थानीय स्कूलों के शिक्षकगण सहित माय भारत के स्वयंसेवक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों ने सेवा और स्वच्छता के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। इस दौरान उमाशंकर त्रिवेदी सहित स्वयं सेवक तथा ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मानपुर सीएम राइज स्कूल में निर्माण पूरा होने से पहले ही दीवारों पर उपजीं दरारें

करोड़ों के बजट पर भ्रष्टाचार का सीपेज!

समयसीमा बीतने के बाद भी अधर में लटकी महत्वाकांक्षी परियोजना

लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

मानपुर। प्रदेश सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी सीएम राइज स्कूल योजना के तहत मानपुर में स्वीकृत करोड़ों रुपए की लागत से निर्माणाधीन नए शैक्षणिक परिसर का निर्माण कार्य शुरू से ही संदेह के दायरे में आता दिख रहा है। लोक निर्माण विभाग (भवन/ई-एंड-एम) के पर्यवेक्षण में बन रहे इस भव्य परिसर में गुणवत्ता संबंधी गंभीर कमियां और लापरवाही के मामले सामने आ रहे हैं। निर्धारित समयावधि बीत जाने के बाद भी जहां भवन का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, वहीं तीसरी मंजिल पर बीम, कॉलम और दीवारों के जोड़ों के पास दरारनुमा निशान एवं सीपेज की स्थिति सार्वजनिक हुए हालिया वीडियो में स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है।

18 माह का काम, 36 माह बाद भी अधूरा

निर्माण स्थल पर लगे आधिकारिक सूचना बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, परियोजना की कुल प्रशासकीय स्वीकृति 41.87 करोड़, तकनीकी स्वीकृति 26.86 करोड़ और अनुबंध राशि 24.67 करोड़ तय की गई थी। निर्माण एजेंसी को कार्यादेश 3 अक्टूबर 2023 को जारी किया गया था। अनुबंध की शर्तों के अनुसार संपूर्ण परिसर का निर्माण 18 माह की निश्चित अवधि, यानी अप्रैल 2025 तक पूर्ण कर विभाग को सौंपना था। अचरज की बात यह है कि निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के डेढ़ साल बाद अक्टूबर 2026 तक भी



कार्य धरातल पर अधूरा पड़ा हुआ है। निर्माण गति में इस अप्रत्याशित विलंब ने न केवल क्षेत्र के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं के इंतजार को लंबा कर दिया है, बल्कि सरकारी मशीनरी और निर्माण एजेंसी के मध्य समन्वय व निगरानी प्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

संरचनात्मक सुरक्षा पर उठे सवाल

हाल ही में सामने आए वीडियो क्लिप्स और तस्वीरों ने इस निर्माणाधीन इमारत के भविष्य की सुरक्षा पर चिंता बढ़ा दी है। मुख्य भवन की तीसरी मंजिल की दीवारों, बीम-कॉलम के संधियों पर न केवल दरारनुमा दरारें साफ दिखाई दे रही हैं, बल्कि बरसात और पानी के रिसाव के कारण सीपेज एवं नमी के गहरे धब्बे छतों पर उभर आए हैं। इसके अतिरिक्त, विद्युतीकरण, वायरिंग, पाइपलाइन और फिनिशिंग जैसे बुनियादी कार्य भी अधर में लटके दिख रहे हैं। स्थानीय नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि निर्माण संबंधी इन खामियों को दुरुस्त करने अथवा किसी भी तकनीकी दोष को छिपाने के लिए आनन-फानन में प्लास्टर और पुट्टी की लीपापोती की कोशिशें की जा रही हैं। हालांकि, इन निशानों की वास्तविक संरचनात्मक गंभीरता और तकनीकी सुरक्षा मानकों की पुष्टि केवल किसी अधिकृत इंजीनियरिंग संस्था या विशेषज्ञ दल की सूक्ष्म जांच से ही संभव हो पाएगी।

जुर्माने और गुणवत्ता रिपोर्ट का क्या हुआ

निर्माण की इस सुस्त रफ्तार और सामने आई कमियों को लेकर क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश है। स्थानीय प्रबुद्ध जनों ने लोक निर्माण विभाग से सार्वजनिक जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है। प्रबुद्धजनों का कहना है कि अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन कर निर्माण में अत्यधिक देरी करने वाली एजेंसी पर क्या अब तक नियमानुसार कोई लेट-फीस अथवा जुर्माना आरोपित किया गया है? निर्माण के दौरान इस्तेमाल की गई सामग्री, कंक्रीट की स्ट्रेंथ और सॉयल टेस्टिंग की रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। निर्माण के दौरान लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार वरिष्ठ अभियंताओं द्वारा कितनी बार स्थल का औचक निरीक्षण किया गया और उनकी रनिंग बिल भुगतानों पर क्या टिप्पणियां थीं?

निष्पक्ष जांच की मांग

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए स्थानीय जागरूक नागरिकों का एक प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की तैयारी कर रहा है। मांग की जा रही है कि किसी स्वतंत्र तकनीकी एजेंसी से भवन की समग्र संरचनात्मक सुरक्षा कराई जाए। जब तक तकनीकी दल हरी झंडी न दे दे, तब तक भवन के हस्तांतरण की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए ताकि भविष्य में स्कूली बच्चों की सुरक्षा से कोई खिलवाड़ न हो।

कायदे-कानूनों को ताक पर रख धड़ल्ले से चल रही राइस मिल

प्रदूषण विभाग की एनओसी और पंचायत की अनुमति पर उठे सवाल

बीच बस्ती में राइस मिल के संचालन से आम जनजीवन और मवेशी प्रभावित

मानपुर। धार्मिक एवं आस्था के केंद्र ज्वालामुखी रोहनिया धाम ग्राम पंचायत माला, जनपद पंचायत मानपुर की घनी आबादी के बीच नियम-कायदों को दरकिनार कर एक राइस मिल के संचालन का मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मिल संचालक द्वारा निर्धारित मापदंडों की अनदेखी करते हुए बिना आवश्यक अनुमतियों के इस संयंत्र का संचालन किया जा रहा है, जिससे आस-पास के रहवासियों एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

नियम-कानूनों की अनदेखी का आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम माला स्थित आबादी क्षेत्र के समीप राइस मिल का संचालन किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, किसी भी औद्योगिक या प्रसंस्करण इकाई की स्थापना से पूर्व क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सम्मत सहमति तथा स्थानीय ग्राम पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य होता है। साथ ही, परिसर के बाहर बोर्ड पर पंजीयन व सहमति संबंधी विवरण प्रदर्शित करना प्रशासनिक व्यवस्था का हिस्सा है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त मिल परिसर में ऐसे किसी अनिवार्य





विवरण पट्ट का अभाव दिखाई देता है। आवासीय परिसर, कृषि योग्य भूमि और पशुओं के बांधने के स्थान के बिल्कुल समीप मिल चलने के कारण धूल, भूसी और अत्यधिक शोर की शिकायतें सामने आ रही हैं।

यह है राइस मिल संचालन के तय मापदंड

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशानिर्देशों के तहत खाद्य प्रसंस्करण व राइस मिल इकाइयों के लिए स्पष्ट मानक निर्धारित हैं। जिसमें स्पष्ट उल्लेख है कि वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के लिए ऐसी इकाइयों को घनी आबादी, स्कूलों, अस्पतालों और धार्मिक स्थलों से निर्धारित दूरी पर स्थापित किया जाना चाहिए। संयंत्र शुरू करने से पूर्व वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम और जल अधिनियम के तहत बोर्ड से वैध कंसेंट प्राप्त करना अनिवार्य है। मिल से निकलने वाली धान की भूसी और धूल के कणों को हवा में फैलने से रोकने के लिए चक्रवात या बैग फिल्टर लगाना अनिवार्य होता है। स्थानीय निकाय या ग्राम पंचायत द्वारा आवासीय एवं व्यावसायिक गतिविधियों के पृथक्कीकरण को ध्यान में रखते हुए एनओसी जारी की जाती है। परिसर के प्रवेश द्वार पर संबंधित विभागों के पंजीयन संख्या, क्षमता एवं एनओसी की वैधता दर्शाने वाला सूचना बोर्ड लगाना अनिवार्य है।

जनजीवन एवं कृषि पर प्रभाव

स्थानीय निवासियों ने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि आबादी क्षेत्र के करीब प्रसंस्करण कार्य होने से उडने वाली बारीक भूसी श्वसन संबंधी समस्याओं का कारण बन सकती है। इसके अतिरिक्त, आस-पास स्थित कृषि भूमि और पालतू मवेशियों की सेहत पर भी इसका असर पडने की आशंका व्यक्त की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि धार्मिक स्थल के समीप शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए नियमों का सख्ती से पालन कराया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर एवं प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्रीय नागरिकों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है। ग्रामीणों की मांग है कि राजस्व, पंचायत एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग की संयुक्त टीम द्वारा स्थल का निष्पक्ष भौतिक निरीक्षण कराया जाए। यदि जांच में कोई अनियमितता या आवश्यक दस्तावेजों का अभाव पाया जाता है, तो नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि आम जनजीवन को राहत मिल सके।

सफाई मित्रों से वृक्षारोपण की शुरुवात कराकर हरित महाअभियान हुआ संपन्न

सफाई मित्रों को सम्मानित कर किया गया ड्रेस वितरण



राजनगर। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संकल्प सेवा अभियान के अंतर्गत 02 अक्टूबर को निकाय के द्वारा मुख्य दुर्गा पूजा प्रांगण/व्हालीवाल ग्राउण्ड परिसर में हरित महाअभियान का गरिमामय आयोजन किया गया, इस विशेष अवसर पर परिषद के गणमान्य जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और नगरवासियों की गरिमामयी उपस्थिति में ग्राऊंड परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए वृक्षारोपण किया गया। इसके साथ ही नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले कर्मठ स्वच्छता मित्रों को निकाय सभाकक्ष में ड्रेस का वितरण करके उनको सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मुख्य नगर पालिका अधिकारी शरद गौतम एवं निकाय अध्यक्ष व जिला योजना समिति सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया के मार्गदर्शन एवं सहायक राजस्व निरीक्षक कमलेश त्रिपाठी, सभापति रवि सिंह, पार्षद सरिता यादव, एल्डरमैन ममता पात्रो, भाजपा महिला मोर्चा मण्डल अध्यक्ष संगीता साहू, पार्षद पति डॉ. योगेश पालीवाल व अन्य जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकर्ताओं एवम कार्मिको की उपस्थित में सम्पन्न हुआ। ड्रेस वितरण एवं सफाई मित्र सम्मान समारोह कार्यक्रम में उपस्थित सफाई मित्रों को संबोधित करते हुए निकाय अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार चौरसिया ने कहा कि संकल्प ही सेवा अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल हमारे नगर को कचरा मुक्त और स्वच्छ रखना है,बल्कि व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित और भावी पीढ़ी के लिए रहने योग्य बनाना भी है। स्वच्छता मित्रों को ड्रेस वितरण करते हुए डॉ. चौरसिया ने उनके कार्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उन सभी को सम्मानित भी किया और उन्हें नगर की श्रीढ़ की हड्डीश की संज्ञा दी। वृक्षारोपण कार्यक्रम की शुरुआत सफाई मित्रों से वृक्षारोपण कराकर किया गया, कार्यक्रम में नगरवासियों ने भी हिस्सा लिया और इस पुनीत कार्य में अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करायी।

डोला-बिजुरी मार्ग की बदहाली पर फूटा जनाक्रोश, 15 अक्टूबर से शुरू होगा सड़क निर्माण

कांग्रेस नेताओं और नगरवासियों ने सौंपा ज्ञापन, आश्वासन के बाद समाप्त हुआ धरना-प्रदर्शन

राजनगर। नगर परिषद डोला क्षेत्र के अंतर्गत डोला तिराहा से बिजुरी पहुंच मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर आखिरकार नगरवासियों का आक्रोश सामने आ गया। लंबे समय से जर्जर सड़क, जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढों और क्षतिग्रस्त नालियों से परेशान लोगों ने सड़क निर्माण की मांग को लेकर आवाज बुलंद की। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राजनगर के अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार, कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जेपी श्रीवास्तव, ओम सिंह, संतोष यादव, पवन सिंह, शिरवन सिंह पाव, संतोष सिंह सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं सदस्य तथा नगर परिषद डोला के नागरिक मौजूद रहे। मौके पर कालरी प्रबंधन की ओर से राजनगर सब एरिया के डीके रघुवंशी एवं सिविल इंजीनियर भी उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कोतमा के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर सड़क का शीघ्र निर्माण कराने की मांग की। डोला-बिजुरी पहुंच मार्ग की हालत लंबे समय से खराब बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने के कारण वाहन चालकों, विद्यार्थियों, श्रमिकों, मरीजों और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में सड़क की स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। स्थानीय लोगों के



अनुसार, इस मार्ग पर पहले भी कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोग चोटिल हुए हैं। इसके बावजूद सड़क की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी बनी हुई है। डोला-बिजुरी मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। इसी मार्ग से कालरी प्रबंधन के भारी वाहनों द्वारा लगातार कोयला परिवहन किया जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही के बीच सड़क की बदहाली ने आवागमन को जोखिमपूर्ण बना दिया है। सड़क निर्माण को लेकर कई बार आग्रह किए जाने के बावजूद अब तक लोगों को आश्वासन ही मिलते रहे हैं। वर्तमान में सड़क की हालत ऐसी हो चुकी है कि जगह-जगह गड्ढों के कारण वाहन चलाना मुश्किल हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजुरी निवासी एक ठेकेदार द्वारा सड़क निर्माण का ठेका लिया गया है, लेकिन निर्माण कार्य में लापरवाही बरते जाने के कारण काम समय पर आगे नहीं बढ़ पा रहा है। मौके पर मौजूद कालरी प्रबंधन के अधिकारियों ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को पत्र भेजा गया है तथा निर्माण कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदर्शन के दौरान कालरी प्रबंधन के जिम्मेदार अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि 15 अक्टूबर से सड़क निर्माण का कार्य शुरू कराया जाएगा। प्रबंधन की ओर से मिले इस आश्वासन के बाद उपस्थित लोगों ने सहमति जताई, जिसके पश्चात धरना-प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। अब नगरवासियों की निगाहें निर्धारित तिथि पर निर्माण कार्य शुरू होने और सड़क की समस्या का स्थायी समाधान होने पर टिकी हैं। प्रदर्शन के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए रामनगर थाना प्रभारी सुमित कौशिक पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। पुलिस की मौजूदगी में व्यवस्था बनाए रखी गई। अब देखना होगा कि कालरी प्रबंधन द्वारा दिए गए आश्वासन के अनुरूप 15 अक्टूबर से निर्माण कार्य शुरू होता है या नहीं। नगरवासियों को उम्मीद है कि सड़क का गुणवत्तापूर्ण निर्माण होने से उन्हें लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिलेगी।

पेड़ कटाई में लापरवाही से टूटा बिजली तार, सुबह से जमुना कॉलरी अंधेरे में

शीतला मंदिर के ऊपर पेड़ गिरने से विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त, ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

बदरा/जमुना। शीतला मंदिर परिसर के पास पेड़ कटाई के दौरान कथित लापरवाही का खामियाजा रविवार सुबह से पूरे जमुना क्षेत्र को भुगतना पड़ा। पेड़ काटते समय पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए जाने से पेड़ मंदिर के ऊपर लगे विद्युत तारों पर जा गिरा, जिससे तार टूट गए और क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। सुबह से बिजली गुल रहने के कारण स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि शीतला मंदिर परिसर के पास पेड़ काटने का आदेश किसने दिया और यह कार्य किस ठेकेदार को सौंपा गया था? स्थानीय लोगों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जांच में अनुमति देने वाले अधिकारी, संबंधित ठेकेदार और पेड़ कटाई में शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट करने की मांग की जा रही है। मामले में यह सवाल भी गंभीरता से उठ रहा है



कि पेड़ कटाई के लिए वन विभाग से आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पेड़ कटाई का कार्य बिना आवश्यक वन अनुमति के कराया जा रहा था। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। लोगों ने मांग की है कि संबंधित विभाग पेड़ कटाई की अनुमति, आदेश और ठेके से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर स्थिति स्पष्ट करे। विद्युत तारों और मंदिर जैसी सार्वजनिक संरचना के आसपास पेड़ कटाई के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया या नहीं, यह भी जांच का विषय है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पेड़ काटते समय पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और विद्युत लाइन को लेकर सावधानी बरती गई होती तो तार टूटने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति से बचा जा सकता था।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कुछ लोगों की कथित लापरवाही का खामियाजा पूरे जमुना क्षेत्र की जनता भुगत रही है। सुबह से बिजली बंद होने के कारण घरेलू कार्यों के साथ दुकानदारों और अन्य उपभोक्ताओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का सवाल है कि बिजली व्यवस्था बाधित होने के बाद जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा क्यों नहीं ले रहे हैं। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से तत्काल मौके का निरीक्षण कर विद्युत व्यवस्था बहाल कराने की मांग की है। साथ ही पेड़ कटाई की अनुमति, वन विभाग की स्वीकृति, ठेका देने वाले विभाग और संबंधित ठेकेदार की भूमिका की जांच कराने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि जांच में यदि नियमों की अनदेखी या लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार अधिकारी, ठेकेदार अथवा संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार अब कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। लोगों ने मांग की है कि जांच में यह भी स्पष्ट किया जाए कि पेड़ कटाई का आदेश किसने दिया, ठेका किसे मिला और सुरक्षा मानकों का पालन क्यों नहीं कराया गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर इस तरह की लापरवाही दोबारा न हो, इसके लिए जिम्मेदारी तय करना जरूरी है। लोगों ने शासन-प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जांच, दोषियों की पहचान और कार्रवाई के साथ बिजली व्यवस्था शीघ्र बहाल कराने की मांग की है।



गांधी जयंती पर सेवा संकल्प अभियान के तहत मंडल राजनगर में स्वच्छता अभियान आयोजित

राजनगर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा मंडल राजनगर द्वारा शिव मंदिर साइडिग में स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह स्वच्छता अभियान कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। भाजपा मंडल राजनगर के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता करते हुए मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की। कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता का संदेश देते हुए लोगों से अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर गांधी जी के स्वच्छ, स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर भारत के विचारों को स्मरण करते हुए सेवा और समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कमलेश चतुर्वेदी मंडल अध्यक्ष, यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां, वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह सिकरवार, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र त्रिपाठी, सुरेश गौतम, धर्मेंद्र सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, मनोज सिंह सांसद प्रतिनिधि, सचिन द्विवेदी महामंत्री, नारायण साहू मंत्री, हरिलाल साकेत मंत्री, सोनू कनौजिया युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष, भीम जायसवाल, समय लाल पटेल, तथा मंडल के सभी पदाधिकारीयों ने अपनी सहभागिता निभाई।

खबर संक्षेप



नगरीय निकायों में आयोजित हुए सेवा सेतु अभियान के शिविर

उमरिया। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के नगरीय क्षेत्रों में सेवा सेतु अभियान - सरकार आपके व्दार के तहत विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से नगर पालिका एवं नगर परिषद स्तर पर विभिन्न शासकीय योजनाओं और लोक सेवाओ का पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही लाभ दिलाया गया। उमरिया जिला मुख्यालय में रानी दुर्गावती भवन में आयोजित शिविर में शहर के 34 हितग्राहयो को मुख्यमंत्री शहरी भू अधिकार योजना के तहत भू अधिकार पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में जन सेवा की राह आसान हुई है और पात्र हितग्राहियों को योजनाओ के लाभ से लाभांवित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजना का लाभ लेने से वंचित न रह जाए इसके लिए अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी है। श्री सिंह ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान में प्रधानमंत्री जी के जन सेवा के 25 वर्षो के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्य किए जा रहे है, जिसमे शासन एवं प्रशासन के प्रयासों से सभी वर्ग के लोगों को जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभांवित किया जा रहा है। उन्होने कहा कि पात्र होने के बावजूद भी योजनाओं से वंचित लोगो की पहचान कर उन्हें लाभ दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए, तभी सेवा संकल्प अभियान की सार्थकता सिध्द होगी। विधायक ने कहा कि भू अधिकार पत्र मिल जाने से हितग्राहियों को उस जमीन का अधिकार मिल जाएगा जिसमें वह वर्षो से रह रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिन पात्र व्यक्तियों के नाम शेष रह गए है उनके भू अधिकार पत्र घर जाकर दिए जाएगें। इस अवसर पर आसुतोष अग्रवाल ने कहा कि सेवा के लिए यह अभियान सेतु का कार्य कर रहा है। शिविर का उद्देश्य से शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का अंतिम पंक्ति के पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है। प्रधानमंत्री जी के उस संकल्प को पूरा किया जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा है कि कोई भी व्यक्ति कच्चे घर में निवास नही करेगा। उमरिया जिले में अभी तक 1 लाख 27 हजार 552 आवास बनाए गए है । शहरी क्षेत्र में भू अधिकार पत्र देकर हितग्राहियों को उस भूमि का हक मिल रहा है जिसमें वह शहर में आकर कई वर्षो से रह रहा है। अब वह इस जगह पर पक्का आवास बनाकर खुशहाल जीवन जी सकेगा। कार्यक्रम को दीपक छत्तवानी एवं ज्ञानेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया।

सेवा मेरा योगदान अभियान अंतर्गत आयोजित की जा रही गतिविधियां

उमरिया। सेवा मेरा योगदान अभियान सेवा संकल्प अभियान का आयोजन 2 अक्टूबर से 10 तक किये जाने तथा अभियान अंतर्गत चिन्हांकित सेवा गतिविधियों के आयोजन हेतु कार्यक्रम जारी किया गया है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि 5 अक्टूबर को सडक सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

भाला और निशानी में भारत का नाम रोशन करने वाले चौपियन पहुंचे बांधवगढ़

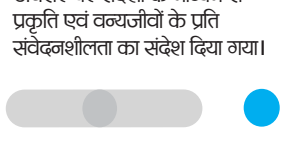

उमरिया। वन्यजीव सप्ताह के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में शनिवार को खेल और वन्यजीव संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का भ्रमण किया और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। नीरज चोपड़ा और गगन नारंग ने जंगल सफारी का आनंद लेने के साथ ही वन अधिकारियों एवं फील्ड स्टाफ से बाघ संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन और ईको-टूरिज्म से जुड़े प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बांधवगढ़ की जैव विविधता को करीब से देखा तथा वन्यजीव संरक्षण में मैदानी अमले की महत्वपूर्ण भूमिका को समझा। वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में दोनों खेल हस्तियों ने रिजर्व के कोर गेट पर लगाए गए 'सिग्नेचर कैंपेन-प्लेज बोर्ड' पर हस्ताक्षर कर वन्यजीव संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर संदेशों के माध्यम से प्रकृति एवं वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता का संदेश दिया गया।

सेवा सेतु अभियान में विभिन्न विभागों के लगे स्टॉल, पात्र हितग्राहियों को मौके पर मिला योजनाओं का लाभ

बुढ़ार में 'सरकार आपके द्वार' : एक छत के नीचे सुलझीं अनेक जनसमस्याएं







बुढ़ार। नगर परिषद बुढ़ार कार्यालय परिसर रविवार को उस समय जनसेवा केंद्र में तब्दील हो गया, जब सेवा सेतु अभियान 'सरकार आपके द्वार' के तहत विभिन्न विभागों ने एक ही स्थान पर स्टॉल लगाकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण की कार्रवाई की। बिजली, राजस्व, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी,सहित अन्य विभागों के स्टॉल पर बड़ी संख्या में वार्डवासी पहुंचे। पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया पूरी की गई।

अभियान के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों में मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई किए जाने से नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिली।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में नायब तहसीलदार मनोज सिंह, अपर कलेक्टर एवं महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी अंकित उइके, ब्लॉक मेडिकल अधिकारी सचिन कारखूर, विद्युत विभाग से हिमांशु पाण्डेय, समाजसेवी रविकांत चौरसिया, दौलत मनमानी, पुष्पेन्द्र ताम्रकार, पार्षद श्रीमती सविता सिंह, जुली जैन, गीता प्रजापति, सुमित्रा नामदेव, सहायक अभियंता सुभाष सेन, अजीत जैन एवं श्रीकृष्ण गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

योजनाओं का लाभ दिलाना प्राथमिकता

नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने कहा कि सेवा सेतु अभियान का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जोड़ना और शासकीय सेवाओं को आम नागरिकों के निकट उपलब्ध कराना है। एक ही परिसर में विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध होने से नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में सुविधा मिल रही है। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी। पात्र हितग्राहियों के प्रकरणों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया।

बुढ़ार में दशहरा उत्सव को लेकर नगर परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित: वर्ष 2026 दशहरा समिति का हुआ गठन, चेतना दीक्षित और जितेन्द्र सिंह बने अध्यक्ष





बुढ़ार। दशहरा उत्सव को धूमधाम से मनाने को लेकर शनिवार को सरजा मॉल में नगर परिषद द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर दशहरा समिति के पदाधिकारियों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से वर्ष 2026 की नई दशहरा उत्सव समिति का गठन किया गया। पुनर्गठित समिति में महिला अध्यक्ष पद पर श्रीमती चेतना दीक्षित एवं अध्यक्ष पद पर जितेन्द्र सिंह का चयन किया गया। इसके साथ ही अमित सिंधानिया को रावण अध्यक्ष तथा प्रिंस को आतिशबाजी अध्यक्ष एवं झांकी व्यवस्था के लिए दौलत मनमानी, श्रीकृष्ण को जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी ने नगर में स्थापित होने वाली समस्त मूर्तियों को प्रोत्साहन पुरस्कार देने का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सहर्ष स्वीकार किया। कार्यक्रम की ऐतिहासिक परंपरा पर प्रकाश डालते हुए शिवेंद्र द्विवेदी ने बताया कि वर्ष 1974 में पहली बार बुढ़ार नगर में दशहरा उत्सव का आयोजन किया गया था। तब से लेकर आज तक हर वर्ष रावण दहन और दशहरा पर्व अत्यंत हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में रविकांत चौरसिया, राजकुमार सरावगी, सुजीत सिंह चंदेल, पुष्पेंद्र ताम्रकार, अरविंद नायक, विक्रम सिंह,अजय सिंह,आशीष नामदेव,पूर्व अध्यक्ष सोनू आहूजा, विक्रम बारी,आनंद बारी, आशुतोष तिवारी, योगेन्द्र सिंह,भागचंद सोनी, अजीत जैन,पार्षद शाहिद खान,श्रीमती सुमित्रा नामदेव, जूली जैन, चेतना दीक्षित, गीता प्रजापति, रश्मि सिंह, मोहन बैगा, हर्ष पाठक, इंजीनियर सीपी पांडेय, राधिका तिवारी, सच्चा नंद दानवानी मनोज वर्मा, संजय द्विवेदी,अभय शुक्ला,सहित नगर परिषद के कर्मचारी एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सेवा सेतु अभियानः बुढार नगर परिषद में लगा शिविर मातृत्व वंदन और लाड़ली लक्ष्मी योजना के आवेदन स्वीकृत

बुढार। नगर परिषद प्रांगण में 4 अक्टूबर को 'सेवा सेतु अभियान' के अंतर्गत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित हितग्राही मूलक योजनाओं, जैसे 'प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना' और 'मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना' के अंतर्गत आवेदन प्राप्त किए गए।शिविर में त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना के तहत कुल 10 आवेदन और मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत 3 आवेदन स्वीकृत किए गए।

पोषण प्रदर्शनी का आकर्षण

'पोषण माह 2026' के तहत "हमारी आंगनबाड़ी, हमारी जिम्मेदारी" थीम पर एक विशेष पोषण प्रदर्शनी आयोजित की गई।



इस प्रदर्शनी में स्थानीय अनाज और हरी सब्जियों का प्रदर्शन किया गया तथा शिविर में आए लोगों को दैनिक आहार में इनके उपयोग व पोषण संबंधी लाभों के बारे में जानकारी दी गई।

अतिथियों ने बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक जयसिंह मरावी एवं नगर परिषद बुढार की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने कर-कमलों से हितग्राहियों से मातृत्व वंदन एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के आवेदन पत्र प्राप्त किए। इस मिशन को सकार कराने में आंगनबाड़ी सुपर वाइजर सीमा गुप्ता, एवं विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यकर्ता मौजूद रहे।इसके बाद अतिथियों ने बनाए गए सेल्फी पॉइंट पर फोटो खिंचवाकर योजना के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया।

11 एकड़ शासकीय भूमि के फर्जीवाड़े का आरोपः कूटरचित दानपत्र से नामांतरण, मुआवजा और नौकरी हड़पने का दावा



शहडोल। सोहागपुर एवं बुढार राजस्व क्षेत्र की लगभग 11 एकड़ बेशकीमती भूमि को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है। आरोप है कि मूल भू-स्वामी स्व. रामजियावन पिता कमला प्रसाद के नि:संतान (लावारिस) निधन के बाद नियमानुसार यह पूरी भूमि मध्य प्रदेश शासन में निहित होनी चाहिए थी। हालांकि, फर्जी नामांतरण और कथित दानपत्र के जरिए इस शासकीय भूमि पर निजी स्वामित्व दर्शाकर मुआवजा और नौकरी तक हासिल कर ली गई।1983 के कथित दानपत्र और नामांतरण से शुरू हुआ खेलअधिवक्ता एवं शिकायतकर्ता संजय पांडेय द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के अनुसार, वर्ष 1983-84 में कोदूराम पिता राममिलन द्वारा 02 नवंबर 1983 के एक कथित दानपत्र को आधार बनाकर नामांतरण पंजी क्रमांक-1 में अपना नाम दर्ज कराया गया। आरोप है कि बाद में कथित पट्टा तैयार कर इस भूमि का स्वामित्व दर्शाया गया और अलग-अलग हिस्सों को बेचकर या हस्तांतरित कर अनुचित लाभ लिया गया।मुआवजे की बंदरबांट और सरकारी नौकरी पर भी सवालमामले में प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार, इस विवादित भूमि के जरिए न केवल लाखों का मुआवजा उठाया गया बल्कि नौकरियां भी हासिल की गईं: लाखों का मुआवजा: वर्ष 1985-86 में अनुविभागीय अधिकारी (**SDO**) सोहागपुर के प्रकरण क्रमांक 579/बी-121/85-86 (दिनांक 10 मार्च 1986) के तहत खसरा नंबर 1730, 1731 एवं 1740 (कुल रकबा ₹2.89 एकड़) के एवज में 2,57,248 का मुआवजा वितरित किया गया।नौकरी का लाभ: खसरा नंबर 1829/2 (रकबा 1.27 एकड़) से संबंधित मामले में विजय कुमार पिता गोविंद प्रसाद पांडेय को नौकरी मिलने की बात कही गई है। इसके अलावा कोदूराम के पुत्र को भी कथित तौर पर मुआवजा व नौकरी प्राप्त होने का आरोप है।नकल शाखा से दानपत्र गायब, विवाद गहरायाअधिवक्ता संजय पांडेय ने जब 02/11/1983 के कथित दानपत्र की प्रमाणित प्रति निकालने के लिए आवेदन दिया, तो नकल शाखा द्वारा जानकारी दी गई कि ऐसा कोई दस्तावेज रिकॉर्ड में उपलब्ध ही नहीं है।दस्तावेज न मिलने पर शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि ग्राम बुढार (तहसील बुढार, जिला शहडोल) की विभिन्न खसरा आराजियों (खसरा नं. 558, 571, 572, 1102, 1113, 1557/1, 1550, 1729, 1730, 1731 एवं 1732) का नामांतरण पूरी तरह कूटरचित और विधिविरुद्ध है। फिलहाल यह मामला मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 44 के तहत न्यायालय में विचाराधीन है।वर्तमान में शासकीय भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण का नया आरोपशिकायतकर्ता का दावा है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे की कोशिशें अभी भी जारी हैं। हाल ही में कोदूराम के नाती (जो वर्तमान में वार्ड पार्षद बताए जा रहे हैं) द्वारा खसरा नंबर 1111—जिसे शिकायतकर्ता शासकीय भूमि बता रहे हैं—पर बाउंड्रीवाल बनाकर कब्जा करने का प्रयास किया गया है।प्रशासन और राजस्व विभाग के सामने खड़े बड़े सवाल,क्या राजस्व विभाग पुराने नामांतरण पंजी और दानपत्र की सत्यता की फोरेंसिक जांच कराएगा?,यदि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर मुआवजा और नौकरियां ली गईं, तो क्या रिकवरी और कानूनी कार्रवाई होगी?,क्या न्यायालय के निर्णय से पहले शासकीय भूमि पर हो रहे नए निर्माण/बाउंड्रीवाल को प्रशासन रोकेगा। चूंकि यह मामला फिलहाल सक्षम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है, इसलिए नामांतरण और मालिकाना हक की अंतिम वैधानिक स्थिति न्यायिक निर्णय एवं प्रशासनिक जांच रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

बिजली उपभोक्ताओं को राहत: बुढ़ार और बकहो में 'सेवा सेतु' शिविर के तहत पीएम सूर्य घर योजना के मिले 25 आवेदन





बुढ़ार। सेवा सेतु अभियान के तहत नगर पालिका परिषद बुढ़ार एवं नगर परिषद बकहो में 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में जैतपुर विधायक जय सिंह मरावी, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शासकीय सेवाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई, साथ ही पात्र हितग्राहियों को त्वरित लाभ दिलाने के लिए आवश्यक विभागीय कार्यवाही की गई।

सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मिला उत्साहजनक प्रतिसाद

कार्यक्रम के दौरान बुढ़ार विद्युत सब-डिवीजन के अंतर्गत आने वाले उपभोक्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत नगर परिषद बुढ़ार में 14 एवं नगर परिषद बकहो में 11 पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) प्राप्त हुए। सहायक अभियंता विकास गोंडडुडे एवं हिमांशु पाण्डेय ने आश्वस्त किया है कि प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र अति शीघ्र विभागीय स्तर पर निराकरण किया जाएगा।

घर-पहुंच सेवा और समस्याओं का स्थल पर निराकरण

अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं संबंधित अमले ने सीधे नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं तथा आवश्यकताओं की जानकारी जुटाई। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि पात्र हितग्राहियों को बिना किसी परेशानी के शासन की योजनाओं से जोड़ा जाए और शासकीय सेवाएं उनके घर के निकट ही उपलब्ध कराई जाएं।

शासन और आमजन के बीच बना मजबूत सेतु

यह अभियान सही मायनों में प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को मिटाने का काम कर रहा है। 'सरकार आपके द्वार' पहल के माध्यम से जहां एक ओर जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर आम नागरिकों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय एवं पारदर्शिता भी स्थापित हो रही है।

कसौधन वैश्य समाज बुढ़ार के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए मंगेश गुप्ता

नामांकन वापसी के बाद चुनाव समिति ने की घोषणा, 4 अक्टूबर को होने वाला मतदान निरस्त



बुढ़ार। कसौधन वैश्य समाज इकाई बुढ़ार की चुनावी प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष पद पर मंगेश प्रसाद गुप्ता को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। चुनाव समिति द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम एवं नियमावली के अनुसार कसौधन धर्मशाला, बुढ़ार में नामांकन व चुनाव संबंधी सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं।अध्यक्ष पद के लिए निर्धारित समयावधि में कुल दो नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे, जिनमें रमेश गुप्ता (पिता श्री काशी प्रसाद गुप्ता) तथा मंगेश प्रसाद गुप्ता शामिल थे। नामांकन वापसी के लिए तय की गई समयावधि के दौरान प्रत्याशी रमेश प्रसाद गुप्ता ने स्वेच्छा से अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। इसके बाद मैदान में केवल मंगेश प्रसाद गुप्ता का एकल नामांकन शेष रह गया। प्रक्रिया का पालन करते हुए चुनाव समिति ने मंगेश प्रसाद गुप्ता (पिता स्व. श्री मंगल प्रसाद गुप्ता, निवासी वार्ड क्रमांक-2 बुढ़ार) को कसौधन वैश्य समाज इकाई बुढ़ार का निर्विरोध निर्वाचित अध्यक्ष घोषित कर दिया।मतदान निरस्त, प्रदान किया गया प्रमाण-पत्रअध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हो जाने के कारण चुनाव समिति ने 4 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित मतदान प्रक्रिया को आधिकारिक तौर पर निरस्त कर दिया है। समिति ने स्पष्ट किया कि अब उक्त तिथि को मतदान आयोजित नहीं किया जाएगा।घोषणा के पश्चात चुनाव समिति द्वारा नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंगेश प्रसाद गुप्ता को पद का प्रमाण-पत्र सौंपा गया। इसकी सूचना प्रांतीय व जिला समिति, संरक्षक वृंद, बुढ़ार इकाई तथा समस्त सामाजिक बंधुओं को भेज दी गई है।चुनावी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने में चुनाव समिति के प्रो. सीताराम गुप्ता, नर्मदा प्रसाद गुप्ता, भागवत प्रसाद गुप्ता, राम भजन गुप्ता एवं राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता का सराहनीय योगदान रहा।

शासकीय योजनाएं लोगों की बदल रही जिंदगी: विधायक

विधायक ने स्टॉलों का किया निरीक्षण



शहडोल। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने सेवा सेतु अभियान के तहत कलेक्ट्रेट परिसर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा स्टॉलों पर मौजूद अधिकारिaxयों-कर्मचारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन एवं पात्र हितग्राहियों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में अनेक जनहितकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसके लिए लगातार अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन अभियानों के माध्यम से जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ले रहे हैं।उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं लोगों की जिंदगी बदल रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र लोगों को पक्के आवास उपलब्ध कराए गए हैं। वहीं छोटे-छोटे व्यापारियों को स्ट्रीट वेंडर योजना का लाभ देकर उन्हें सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है।विधायक ने कहा कि सेवा सेतु अभियान के तहत आयोजित शिविरों में आमजन पहुंचकर शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और अपनी समस्याओं का यथासंभव निराकरण कराएं। शिविर में आजीविका मिशन, उद्योग विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहां नागरिकों को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई।इस अवसर पर मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, एलडीएम अमित चौरसिया, पार्षद सिल्लू रजक, राकेश सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

स्वच्छता, वृक्षारोपण और बाल चौपाल से शुरू हुआ आंगन मिलन सेवा अभियान

डिण्डौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देश एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती पुष्पलता मरावी के मार्गदर्शन में आकांक्षी विकासखंड बजाग में तीन दिवसीय 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पर्यवेक्षक श्रीमती तबस्सुम खान के नेतृत्व में सेक्टर लालपुर एवं हर्रा के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं।अभियान का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को सामुदायिक सहभागिता का केंद्र बनाना तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के पहले दिन स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और बाल संवाद पर विशेष जोर दिया गया।आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं स्थानीय महिलाओं ने केंद्र परिसर, रसोई और शौचालय की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा स्वच्छता की शपथ ली। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत आंगनबाड़ी परिसरों में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया और उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया।

बाल चौपाल में बच्चों से संवाद- बाल चौपाल के माध्यम से बच्चों से संवाद कर उन्हें पौष्टिक आहार, हाथ धोने की सही आदत एवं खेल-खेल में शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई। बच्चों को स्वस्थ एवं स्वच्छ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।पर्यवेक्षक श्रीमती तबस्सुम खान ने बताया कि अभियान के आगामी दिनों में पोषण परामर्श, गृह भेंट, सखी सम्मेलन सहित विभिन्न समुदाय आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों के प्रति समुदाय की सहभागिता और विश्वास बढ़ाने तथा कुपोषण मुक्त बजाग की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, आशा सहयोगिनी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं उपस्थित रहीं।

कलेक्टर ने मूसामुंडी व गाड़ासरई में निर्माण कार्यों का लिया जायजा

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने शनिवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर निर्माण कार्यों एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम पंचायत मूसामुंडी में निर्माणाधीन सामुदायिक भवन तथा गाड़ासरई में बन रहे फिश पार्लर का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।इस दौरान पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरी एवं डीएफओ अशोक कुमार सोलंकी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

30 मीटर तक धंसने का दावा, 300 मीटर के दायरे में पहाड़ी के दो हिस्से प्रभावित

मैकल में दरार, कौन है जिम्मेदार?







कटाई-उत्खनन और ब्लास्टिंग के आरोपों से मचा हड़कंप

जांच के पहले ही सिस्टम ने बता दिया 'भूस्खलन'

अनूपपुर। मैकल पर्वत की पहाड़ियों में जमीन के खिसकने की तस्वीर ने राजेंद्रग्राम वन परिक्षेत्र की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पटना बीट और धरमदास पंचायत से लगे जंगल में ग्रामीणों ने करीब 30 मीटर तक भू-धंसाव होने का दावा किया है। करीब 200 से 300 मीटर के दायरे में दो स्थानों पर पहाड़ी प्रभावित बताई जा रही है। सैकड़ों पेड़ों की जड़ों के उखड़ने और पहाड़ी के धीरे-धीरे नीचे की ओर खिसकने की बात कही जा रही है। मामला सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि पहाड़ी धंसी क्यों, बल्कि यह है कि इतने बड़े भू-भाग में बदलाव होता रहा और जिम्मेदार निगरानी तंत्र को इसकी भनक कब लगी।

पहाड़ खिसकता रहा, कहां थी निगरानी?

ग्रामीणों का कहना है कि पहाड़ी में बदलाव अचानक नहीं हुआ। जमीन धीरे-धीरे नीचे बैठती और खिसकती दिखाई दे रही थी। यदि यह स्थिति लगातार विकसित हो रही थी तो वन क्षेत्र की नियमित निगरानी और गश्त पर सवाल उठना स्वाभाविक है। यदि 30 मीटर तक भू-धंसाव का दावा सही है और सैकड़ों पेड़ इसकी चपेट में आ रहे हैं, तो यह सामान्य मिट्टी खिसकने की घटना भर नहीं मानी जा सकती। वास्तविक स्थिति का पता मौके के वैज्ञानिक सर्वेक्षण से ही चलेगा, लेकिन तब तक खतरे को नजरअंदाज करना भी उचित नहीं होगा।

कटाई, उत्खनन और ब्लास्टिंग के आरोप- कौन करेगा जांच?

ग्रामीणों ने पहाड़ी की कमजोर होती स्थिति के पीछे कथित अवैध कटाई, उत्खनन और भारी ब्लास्टिंग को जिम्मेदार बताया है। वर्ष 2024-25 और 2025-26 में कथित अवैध कटाई को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन इतने गंभीर आरोपों के बाद जांच का दायरा केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए कि पहाड़ी कितनी धंसी है। यह भी देखा जाना चाहिए कि क्षेत्र में पिछले वर्षों में पेड़ों की कटाई, खनन, उत्खनन, ब्लास्टिंग और भारी वाहनों की आवाजाही से संबंधित गतिविधियां क्या रही हैं। किसने अनुमति दी? किसने निगरानी की? किसने कार्रवाई की? और यदि कोई अवैध गतिविधि हुई तो उसे रोका क्यों नहीं गया? इन सवालों के जवाब जांच में सामने आने चाहिए।

'भूस्खलन' या मानवीय हस्तक्षेप? वैज्ञानिक जांच जरूरी

वनमंडलाधिकारी डेविड व्यंकटराव चनाप ने बताया है कि प्रथम दृष्टया स्थिति बारिश के बाद होने वाले भूस्खलन जैसी प्रतीत हो रही है और टीम मौके पर जांच कर रही है। लेकिन प्रथम दृष्टया आकलन अंतिम निष्कर्ष नहीं है। पहाड़ी की भूगर्भीय संरचना, मिट्टी की स्थिति, जल निकासी, ढलान, पेड़ों की जड़ों की स्थिति और आसपास हुई मानवीय गतिविधियों का तकनीकी अध्ययन जरूरी है। यदि कारण प्राकृतिक है तो भी यह पता लगाना होगा कि भू-स्खलन का दायरा कितना है और भविष्य में इसके बढ़ने की संभावना क्या है। और यदि मानवीय गतिविधियों की भूमिका सामने आती है तो जिम्मेदारी भी तय करनी होगी।

जोशीमठ का नाम नहीं, उससे पहले चेतावनी समझना जरूरी

मैकल की स्थिति को अभी जोशीमठ जैसी आपदा कहना वैज्ञानिक रूप से जल्दबाजी होगी। लेकिन किसी बड़े हादसे के बाद जांच शुरू करने के बजाय खतरे के शुरुआती संकेतों पर कार्रवाई करना ही प्रशासनिक सतर्कता की असली परीक्षा है। आज सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस दरार को चेतावनी मानेगा या जांच की औपचारिकता पूरी होने तक इंतजार करेगा?

वन से खनिज तक-कई विभागों की परीक्षा

यदि भू-धंसाव का संबंध प्राकृतिक कारणों के बजाय किसी मानवीय गतिविधि से निकलता है तो वन विभाग के साथ खनिज, राजस्व, पुलिस, परिवहन और स्थानीय प्रशासन की भूमिका भी जांच के दायरे में आएगी। मौके पर संयुक्त निरीक्षण, पुराने रिकॉर्ड की जांच, सैटेलाइट/राजस्व नक्शों से तुलना, पेड़ों की कटाई का सत्यापन और उत्खनन-ब्लास्टिंग गतिविधियों की जांच से ही तस्वीर साफ हो सकती है।

प्रशासन बोला-मौके पर भेजी टीम

एसडीएम पुष्पराजगढ़ वशीम अहमद भट्ट के अनुसार मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग, राजस्व और संबंधित विभागों की टीम को मौके पर भेजा गया है। प्रशासन स्थिति पर नजर रख रहा है। वहीं डीएफओ डेविड व्यंकटराव चनाप ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। प्रथम दृष्टया यह बारिश के बाद होने वाले भूस्खलन जैसा प्रतीत होता है। वन विभाग की टीम मौके पर जांच कर रही है और वास्तविक स्थिति जांच के बाद स्पष्ट होगी। अब असली परीक्षा जांच की है-क्या रिपोर्ट सिर्फ 'भूस्खलन' लिखकर बंद होगी, या यह भी सामने आएगा कि मैकल की पहाड़ी आखिर कमजोर क्यों हुई।



सरकार आपके द्वार-बनगवां में सेवा सेतु शिविर में उमड़ी भीड मौके पर हुआ समस्याओं का त्वरित समाधान

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) सुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनगवां में रविवार को श्सेवा सेतु अभियान सरकार आपके द्वार मेगा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं और पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ प्रदान किया। शिविर स्थल पर ही जन्म मृत्यु पंजीयन, पीएम स्वनिधि, आयुष्मान, संभल, श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, वृद्धा पेंशन, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, राशन कार्ड, खाद्य सुरक्षा, स्वरोजगार व कौशल विकास, स्वास्थ्य परीक्षण और राजस्व विभाग से जुड़े आवेदन तुरंत स्वीकार व निराकृत किए गए। रविवार को सम्भल के 37, समग्र ईकेवाईसी का 17, खाद्यान्न ईकेवाईसी के 10, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र 05, ई-श्रम कार्ड के 01, आयुष्मान के 17, पीएम स्वनिधि 15000 के 06, पीएम स्वनिधि 25000 के 2, पीएम स्वनिधि 50000 के 03 एवं आधार कार्ड संशोधन के 43 कुल 141 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 93 आवेदन का निराकरण किया जा चुका है बाकी बचे 48 आवेदन के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष यशवंत सिंह के अलावा मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका, वरिष्ठ भाजपा नेता गजेंद्र सिंह सिकरवार, धर्मेंद्र सिंह, किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष लल्ला चौहान, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश गौतम, राजेंद्र त्रिपाठी, सचिन द्विवेदी महामंत्री, पार्षद समय पटेल, प्रमोद शुक्ला, नारायण साहू मंत्री, संगीता माली, सोनू कन्नौजिया, सांसद प्रतिनिधि मनोज सिंह, बीनू द्विवेदी महिला सुपरवाइजर महिला बाल विकास, वरिष्ठ पत्रकार समर बहादुर सिंह पूर्व मंडल मीडिया प्रभारी अधिक लाल यादव, अजीत श्रीवास्तव व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे, तथा आमजन से सीधा संवाद किया। वरिष्ठ वक्ताओं द्वारा शासन के इस प्रयास का जमकर सराहना किया गया और भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा जो योजनाएं चल रही हैं। उनके बारे में भी वहां उपस्थित जनसमुदाय को बताया गया। अध्यक्ष यशवंत सिंह ने कहा कि, जिन लोगों ने अभी तक कैंप आकर इसका लाभ नहीं उठाए हैं। वह सोमवार को भी सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक राजीव गांधी भवन प्रांगण में आकर अपने समस्या का निराकरण करवा सकते हैं। लखन लाल पनिका मुख्य नगर पालिका अधिकारी इस शिविर का अवलोकन किया गया तथा उनके द्वारा हितग्राहियों को अधिक से अधिक केंद्र शासन एवं राज्य शासन द्वारा संचालित सुविधाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। नगर के वार्ड वासियों ने एक ही छत के नीचे सभी सरकारी सेवाएं मिलने पर शासन की इस पहल की सराहना की। और नगर परिषद द्वारा जिस तरीके से लोगों के समस्याओं का निराकरण किया गया उसका सभी लोगों ने खुलकर सराहना की उन्होंने भविष्य में भी परिषद द्वारा ऐसे ही कैंप लगाकर समस्याओं के निराकरण करने की अपील की।

ईवीएम गायब होने से बड़ा सवाल शिफ्टिंग हुई, लेकिन भौतिक सत्यापन क्यों नहीं? पुराना तहसील कार्यालय खाली हुआ, वेयरहाउस की मशीनें वहीं छूटी रहीं

24 ईवीएम गायब मिलीं तो एफआईआर, रिकॉर्ड खंगाले तो भोपाल भेजे जाने का खुलासा

अनूपपुर। जिला मुख्यालय स्थित पुराने तहसील कार्यालय के पीछे बने ईवीएम वेयरहाउस से 24 मशीनें गायब मिलने के मामले में अब सवाल सिर्फ मशीनों के गायब होने का नहीं, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर रिकॉर्ड और वास्तविक भौतिक स्थिति के सत्यापन की पूरी व्यवस्था पर उठ रहे हैं। 30 सितंबर को शिकायत के बाद कोतवाली पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बीएनएस की धारा 331 (4) और 305 (ए) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसके बाद दस्तावेज खंगाले गए तो सामने आया कि गायब बताई जा रही 24 नॉनवर्किंग ईवीएम मशीनें वर्ष 2021 में ही भोपाल भेजी जा चुकी थीं।

पांच साल पुराने रिकॉर्ड ने खोला गायब ईवीएम का राज

जांच में मिले दस्तावेजों के अनुसार राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल ने पत्र क्रमांक 82-11/2021021/8/156, दिनांक 6 अक्टूबर 2021 के माध्यम से जिले में संधारित नॉनवर्किंग ईवीएम मशीनों और डिकोड प्रिंटरों को नोडल मुख्यालय भोपाल में संग्रहित कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय अनूपपुर ने 11 अक्टूबर 2021 को पत्र क्रमांक 347/347/स्था./निर्वा. ईवीएम/2021 जारी किया। रिकॉर्ड के मुताबिक 24 नॉनवर्किंग ईवीएम 8 बैलेट यूनिट और 16 कंट्रोल यूनिट भोपाल के उपसंग्रहण केंद्र में जमा कराई गई थीं। जांच के दौरान इन मशीनों के सीरियल



नंबर का मिलान किया गया, जो एफआईआर में दर्ज गायब मशीनों के सीरियल नंबर से मेल खाते हैं। यानी जिस मशीनों को लेकर पहले गायब होने की आशंका जताई गई, उनका रिकॉर्ड प्रशासनिक दस्तावेजों में वर्ष 2021 में ही भोपाल भेजे जाने का मौजूद था।

शिफ्टिंग के दौरान भौतिक सत्यापन क्यों नहीं हुआ?

मामले का सबसे बड़ा सवाल यहीं से खड़ा होता है। पुराने तहसील कार्यालय को पॉलीटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में शिफ्ट किए जाने के दौरान ईवीएम वेयरहाउस में रखी सामग्री की स्थिति का मौके पर सत्यापन क्यों नहीं किया गया? पुराने भवन के डिसमेंटल के दौरान दीवार गिराए जाने पर ईवीएम के बड़े-बड़े बॉक्स मिले और ठेकेदार द्वारा प्रशासन को इसकी सूचना भी दी गई। इसके बावजूद 21 सितंबर को मशीनों को नए स्थान पर शिफ्ट किए जाने तक यह स्पष्ट क्यों नहीं हुआ कि वेयरहाउस में कौन-कौन सी मशीनें मौजूद हैं और कौन सी पहले ही दूसरे स्थान पर भेजी जा चुकी हैं? यदि वर्ष 2021 में 24 नॉनवर्किंग ईवीएम भोपाल भेजी जा चुकी थीं और उनके


हरिभूमि
ईवीएम वेयरहाउस से 24 मशीनें गायब सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल

सीरियल नंबर का रिकॉर्ड उपलब्ध था, तो शिफ्टिंग के समय उसी रिकॉर्ड से मौके पर मिलान किया जाता तो 24 मशीनों के गायब होने की स्थिति ही क्यों बनती?

मरम्मत के लिए हैदराबाद भेजी जानी थीं मशीनें

निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत नॉनवर्किंग ईवीएम को मरम्मत के लिए ईसीआईएल हैदराबाद भेजे जाने की प्रक्रिया प्रस्तावित थी। रिकॉर्ड में 16 कंट्रोल यूनिट, 8 बैलेट यूनिट, 2 एडी यूनिट और एक डिकोड प्रिंटर का उल्लेख मिलता है। इन मशीनों को भोपाल स्थित चयनित शासकीय उवेदिया हाई स्कूल, रॉयल मार्केट, हमीदिया अस्पताल के सामने बनाए गए उपसंग्रहण केंद्र में जमा कराया गया था। दस्तावेजों के अनुसार मशीनों को राजस्व निरीक्षक गनीशाय पैकरा और कंप्यूटर ऑपरेटर राम सेवक चौधरी द्वारा भोपाल ले जाकर जमा कराया गया था।

एफआईआर के बाद खुला रिकॉर्ड, अब जवाबदेही तय होगी?

मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर



एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। लेकिन जांच के दौरान सामने आए रिकॉर्ड ने पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया है। इससे यह सवाल भी महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या प्रशासन ने चोरी या गबन की आशंका जताने से पहले अपने ही रिकॉर्ड और पुराने प्रेषण दस्तावेजों का भौतिक एवं दस्तावेजी मिलान किया था? ईवीएम जैसी संवेदनशील चुनावी सामग्री के मामले में केवल रिकॉर्ड सुरक्षित रखना पर्याप्त नहीं है। वेयरहाउस से लेकर शिफ्टिंग और नए स्थान पर जमा कराने तक प्रत्येक चरण में भौतिक सत्यापन और सीरियल नंबर का मिलान जरूरी है। इस मामले में यदि यह प्रक्रिया समय पर अपनाई जाती तो पुलिस में शिकायत और 24 ईवीएम के गायब होने की स्थिति पैदा ही नहीं होती। अब जांच का असली सवाल यह है कि लापरवाही केवल रिकॉर्ड मिलान में हुई या ईवीएम के रखरखाव और शिफ्टिंग की पूरी प्रक्रिया में ही निगरानी कमजोर रही? प्रशासन को यह स्पष्ट करना होगा कि 21 सितंबर की शिफ्टिंग के दौरान किस अधिकारी या कर्मचारी ने मशीनों का भौतिक सत्यापन किया, किस रिकॉर्ड से मिलान किया और सत्यापन की रिपोर्ट कहां है।

जहाँ रात भी साधना बन जाती है, वह है माँ नर्मदा की पावन उद्गम स्थली अमरकंटक

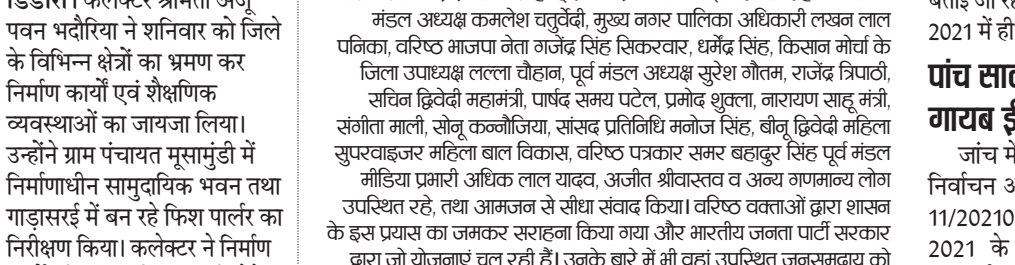



अमरकंटक। मैकल की उत्तुंग पर्वत श्रृंखलाओं और हरे-भरे वनों की गोद में बसा अमरकंटक केवल एक भौगोलिक स्थान अथवा पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि प्रकृति, अध्यात्म और आस्था की जीवंत अनुभूति है। यहाँ कदम रखते ही मनुष्य स्वयं को प्रकृति के उस विराट संसार के निकट पाता है, जहाँ समय जैसे कुछ क्षणों के लिए ठहर जाता है और अंतरात्मा को एक अनकही शांति का स्पर्श मिलता है। ढलते सूर्य की अंतिम स्वर्णिम किरणें जब विंध्य और सतपुड़ा की पर्वत श्रृंखलाओं तथा घने वनों को स्पर्श करती हुई क्षितिज में विलीन होती हैं, तब अमरकंटक का स्वरूप देखते ही बनता है। दिनभर श्रद्धालुओं की चहल-पहल, मंदिरों की घंटियों और जयकारों से गुंजायमान रहने वाली यह पावन नगरी संध्या के बाद धीरे-धीरे एक गहन आध्यात्मिक शांति में उतरने लगती है। अमरकंटक की रातें अपने आप में एक अनूठी अनुभूति हैं। घने सन्नाटे के बीच साल और सरई के विशाल वृक्षों से होकर गुजरती शीतल हवा जब पत्तों को स्पंदित करती है, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं प्रकृति माँ नर्मदा के चरणों में कोई मधुर लोरी गा रही हो। दूर नर्मदा उद्गम क्षेत्र से आती जलधारा की कल-कल ध्वनि इस नीरवता को भंग नहीं करती, बल्कि उसे और अधिक दिव्यता प्रदान करती है। वह स्वर किसी अदृश्य वीणा से निकलती मधुर तान की भांति मन के भीतर उतरता चला जाता है। रात्रि के आकाश में जब असंख्य तारों की झिलमिलाहट अमरकंटक के जंगलों पर अपनी चादर बिछाती है, तब इस पावन धरा का सौंदर्य और भी अलौकिक हो उठता है। चारों ओर फैली शांति के बीच मनुष्य अपने भीतर झांकने लगता है। दिनभर की भागदौड़, थकान और सांसारिक चिंताएं जैसे धीरे-धीरे पीछे छूटने लगती हैं। मन में केवल एक अनुभूति शेष रह जाती हैकृमाँ नर्मदा के सान्निध्य की। अमरकंटक की हवाओं में भी एक आत्मीयता है। हर झोंका जैसे अपनेपन का संदेश लेकर आता है। ऐसा लगता है मानो माँ रेवा अपने वात्सल्य भरे आंचल की छाया में अपने भक्तों को आश्रय देते हुए कह रही हों "थक गए हो तो कुछ पल मेरे पास विश्राम कर लो।" यही अनुभूति अमरकंटक को अन्य स्थानों से अलग करती है। यहाँ बिताई गई रातें केवल रातें नहीं होतीं, बल्कि वे आत्ममंथन और अंतर्मन से संवाद का अवसर बन जाती हैं। बहते जल की ध्वनि, वनस्पतियों की सरसराहट, शीतल हवाओं का स्पर्श और आकाश में टिमटिमाते तारों का संसार मनुष्य को प्रकृति के विराट स्वरूप से जोड़ देता है। कभी यह मौन मन में एक अनकही व्याकुलता जगाता है, तो अगले ही क्षण वही व्याकुलता असीम शांति में परिवर्तित हो जाती है। अमरकंटक की यही विशेषता है कि यहाँ मौन भी बोलता है और प्रकृति भी साधना करती प्रतीत होती है। माँ नर्मदा की उद्गम स्थली पर रात का सन्नाटा मनुष्य को यह एहसास कराता है कि जीवन की वास्तविक शांति बाहरी शोर में नहीं, बल्कि अपने भीतर उतरने में है। माँ नर्मदा के इस पावन आंगन में प्रकृति और अध्यात्म का ऐसा अद्भुत संगम दिखाई देता है, जिसे शब्दों में पूरी तरह बांध पाना संभव नहीं। यहाँ आने वाला व्यक्ति केवल एक स्थान को देखकर वापस नहीं लौटता, बल्कि अपने साथ अमरकंटक की शीतल हवा, नर्मदा की कल-कल ध्वनि और उस दिव्य मौन की स्मृति लेकर जाता है, जो लंबे समय तक उसके अंतर्मन में गूंजती रहती है। हे माँ रेवा! तेरे इस पावन आंगन की शीतलता, तेरी धारा का निर्मल संगीत और तेरी धरती का यह दिव्य सन्नाटा सदैव हमारी आत्मा में बसाए रखना।

दशलक्षण महापर्व के समापन पर निकली भव्य शोभायात्रा, आदिनाथ भगवान की प्रतिमा रही आकर्षण का केंद्र

अमरकंटक में श्रद्धा और क्षमाभाव के साथ मनाया गया क्षमावाणी महोत्सव



अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में दिगंबर जैन समाज द्वारा दशलक्षण महापर्व के समापन अवसर पर रविवार 4 अक्टूबर को क्षमावाणी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति, आत्मावलोकन और क्षमाभाव के साथ मनाया गया। सर्वोदया तीर्थ क्षेत्र समिति एवं सकल दिगंबर जैन समाज अमरकंटक के आयोजन में दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम हुए। महोत्सव के दौरान नगर में धर्म, अहिंसा, मैत्री और आपसी सद्भाव का वातावरण दिखाई दिया। महोत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल दिगंबर जैन सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र में आदिनाथ भगवान के विधिवत पूजन-अर्चन, अभिषेक, शांतिधारा एवं विधान के साथ हुआ। इसके पश्चात समाजजनों के लिए वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने स्नेह एवं आत्मीयता के साथ प्रसाद ग्रहण किया। दोपहर में सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र से आदिनाथ भगवान की प्रतिमा को सुसज्जित रथ में विराजमान कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जैन समाज के पुरुष एवं महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में वाद्य यंत्रों के साथ भजन-कीर्तन करते हुए नाचते-गाते उत्साह और हर्षोल्लास के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां श्रद्धालुओं ने धार्मिक भावनाओं के साथ सहभागिता की। शोभायात्रा में पुष्पराजगढ़ क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को नायब तहसीलदार विनोद सिंह परिहार एवं हल्का पटवारी अमरकंटक अश्वनी तिवारी, सुनील जैन, देवेंद्र जैन, निलेश जैन, राकेश जैन, दया जैन, महेश जैन, प्रशांत जैन, सोनू जैन, सीताराम जैन एवं प्रकाश मोदी सहित जैन समाज के अनेक सदस्य शामिल रहे। नगर परिषद अध्यक्ष पार्वती सिंह, मंडलम अध्यक्ष श्यामलाल सेन, पत्रकार धनंजय तिवारी, श्रवण उपाध्याय, मुन्नू पांडे, सोमू दुबे सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी शोभायात्रा में सहभागिता की। जैन परंपरा में क्षमावाणी पर्व आत्मावलोकन, संयम और परस्पर क्षमा-याचना का महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है। दशलक्षण महापर्व की साधना के पश्चात मनाए जाने वाले इस पर्व पर श्रद्धालु जाने-अनजाने हुई भूलों के लिए एक-दूसरे से क्षमा मांगते हुए मैत्री, सद्भाव और अहिंसा का संदेश देते हैं। क्षमा के इसी भाव के साथ यह पर्व आत्मशुद्धि और आपसी प्रेम की भावना को और गहरा करता है। संध्याकाल सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र में भव्य संगीतमय महाआरती का आयोजन किया गया। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ की आराधना की। पूरे दिन चले धार्मिक आयोजनों से अमरकंटक की आध्यात्मिक गरिमा और अधिक मुखर दिखाई दी। कार्यक्रम की जानकारी सुनील जैन बाबा एवं देवेंद्र जैन 'चुन्नू' ने देते हुए समाजजनों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। आयोजकों के अनुसार बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन एवं आवास की व्यवस्था समिति द्वारा की गई थी। क्षमावाणी महोत्सव को लेकर दिगंबर जैन समाज में विशेष उत्साह रहा और बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु धार्मिक आयोजनों में सहभागी बने। शोभा यात्रा में अमरकंटक थाना का पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा।